एड़ा मैं काम किया कबीर भजन लिरिक्स

एड़ा मैं काम किया,

दोहा – कबीर कलजुग आवियो,
संत ना माने कोए,
कूड़ा कपटी लालची,
इण री पूजा होए।
कबीर तेरी झूंपड़ी,
गल कटन के पास,
करंता सो भरता,
तू क्यों फिरे उदास।

कोरी कोरी मटकी में,
ठंडो जल पानी,
वोही पानी ढोल दिया,
गुरु रामानंद,
एड़ा मैं काम किया,
ओघण बोध किया,
गुरु रामानंद,
खोटा मैं काम किया।bd।

देखे – गुरु दाता माने अवगुण बहुत किया।

भरियो रे समदरिये में,
गैया रोकी,
बछड़ा मैं रोल दिया,
गुरु रामानंद,
एड़ा मैं काम किया।bd।

इतरौ रे जुग मैं तो,
निरख्यो नेवणा से,
पग पग पाप किया,
गुरु रामानंद,
एड़ा मैं काम किया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

खड़िया रे खोस्या,
टीपणा मैं फाड़ दिया,
गुरु रामानंद,
एड़ा मैं काम किया।bd।

कहत कबीरा रे,
सुण भाई साधो,
चरणा में शीश दिया,
गुरु रामानंद,
एड़ा मैं काम किया।bd।

कोरी कोरी मटकी में,
ठंडो जल पानी,
वोही पानी ढोल दिया,
गुरु रामानंद,
एड़ा मै काम किया,
ओघण बोध किया,
गुरु रामानंद,
खोटा मैं काम किया।bd।

गायक – महेश राम जी।
प्रेषक – सचिन गोयल।
8239417597

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com